गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 342
दि. 15.04.2026,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

प्रधानमंत्री मोदी ने किया देश के सबसे आधुनिक कॉरिडोर का उद्घाटन, यूसीसी पर भी भरी हुंकार

(जीएनएस)।

उत्तराखंड के विकास को नई गति देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देहरादून में आयोजित एक भव्य सार्वजनिक समारोह में 'दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर' का आधिकारिक उद्घाटन किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से न केवल दिल्ली और देहरादून के बीच की दूरी सिमट गई है, बल्कि यह क्षेत्र पर्यटन और व्यापार के नए केंद्र के रूप में उभरने को तैयार है। कॉरिडोर की सबसे बड़ी विशेषता इसका पर्यावरण-अनुकूल होना है, जिसमें वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है। भारी जनसैलाब और उत्साह के बीच पीएम मोदी ने इस परियोजना को राष्ट्र को समर्पित किया।

सफर में क्रांतिकारी बदलाव, 6 घंटे की दूरी अब 150 मिनट में

इस कॉरिडोर के चालू होने से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के बीच यात्रा के समय में भारी कटौती हुई है। पहले जिस सफर को पूरा करने में यात्रियों को औसतन 6 घंटे या उससे अधिक का समय लगता था, वह अब मात्र 2.5 घंटे में पूरा हो सकेगा। यह कॉरिडोर न केवल आम जनता के लिए राहत भरा है, बल्कि आर्थिक दृष्टिकोण से भी मील का पत्थर साबित होगा।

एशिया का सबसे लंबा वाइल्डलाइफ कॉरिडोर

पर्यावरण और विकास के बीच संतुलन का यह प्रोजेक्ट एक बेमिसाल उदाहरण है। इसमें 12 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड वाइल्डलाइफ सेक्शन बनाया गया है, जो एशिया के सबसे लंबे गलियारों में से एक है। इसका मुख्य उद्देश्य सड़क हादसों में वन्यजीवों की जान बचाना और उनके प्राकृतिक आवास में मानवीय हस्तक्षेप को कम करना है।

रोड शो में उमड़ा जनसैलाब, पीएम ने मांगी माफी

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत देरी से पहुंचने के लिए माफी मांगते हुए की। उन्होंने बताया कि काली मंदिर से कार्यक्रम स्थल तक करीब 12 किलोमीटर लंबे रोड शो के दौरान लोगों का

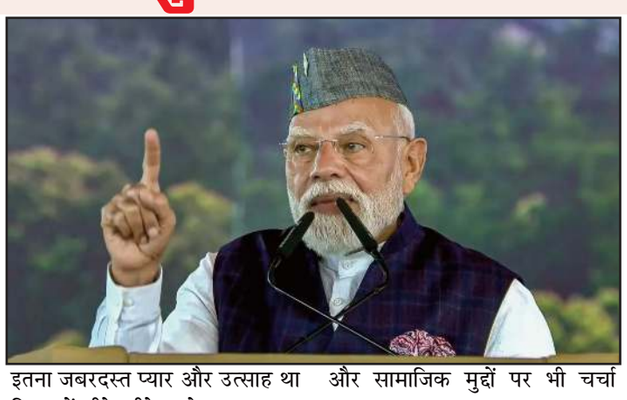

इतना जबरदस्त प्यार और उत्साह था कि उन्हें धीरे-धीरे आगे बढ़ना पड़ा। उन्होंने कहा, "उत्तराखंड का यह प्यार मुझे नई ऊर्जा और प्रेरणा देता है, जिसे लेकर मैं वापस लौट रहा हूं।"

यूनिफॉर्म सिविल कोड और 2027 का लक्ष्य

कार्यक्रम के दौरान राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई:

UCC पर जोर: प्रधानमंत्री ने कहा कि समान नागरिक संहिता (UCC) संविधान की भावना के अनुरूप है और उत्तराखंड इस दिशा में पूरे देश को मार्ग दिखा रहा है।

मिशन 2027: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विकास और संस्कृति के तालमेल पर जोर देते हुए विश्वास जताया कि 2022 की तरह 2027 में भी उत्तराखंड में प्रचंड बहुमत की सरकार बनेगी।

स्वच्छता और चारधाम यात्रा का संदेश

प्रधानमंत्री ने देशवासियों को बैसाखी, बोहाग बिहू और पुथांडु की शुभकामनाएं दीं और आगामी चारधाम यात्रा (यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ) का जिक्र किया। साथ ही, उन्होंने देवभूमि में बढ़ते प्लास्टिक कचरे पर गहरी चिंता जताई। पीएम ने जनता से अपील की कि वे पवित्रता बनाए रखें और अगले साल हरिद्वार में होने वाले कुंभ मेले को 'साफ, भव्य और दिव्य' बनाने में योगदान दें।

विकास ही 'किस्मत की रेखा'

पीएम मोदी ने बुनियादी ढांचे के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि सड़क, हाईवे, रेलवे और जलमार्ग ही देश की 'किस्मत की रेखाएं' हैं। पिछले 10 वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर पर हुए अभूतपूर्व निवेश ने भारत को मजबूती दी है और गरीब-जरूरतमंदों तक न्याय पहुंचाने के मार्ग को सुगम बनाया है।

लखनऊ में आदर्श माध्यमिक विद्यालय का उद्घाटन: सीएम योगी ने बच्चों को दिया सफलता का मंत्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ के जन भवन परिसर में 5.17 करोड़ रुपये की लागत से बने आदर्श माध्यमिक विद्यालय का उद्घाटन कि ...और पढ़ें

लखनऊ में 5.17 करोड़ का आदर्श माध्यमिक विद्यालय उद्घाटित।

सीएम योगी ने बच्चों को परिश्रम से सफलता का मंत्र दिया।

विद्यालय में स्मार्ट क्लास, अक लैब जैसी आधुनिक सुविधाएँ।

लखनऊ। (जीएनएस)। जन भवन परिसर में शिक्षा के क्षेत्र में सोमवार को एक नया अध्याय जुड़ गया, जब राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां 5.17 करोड़ रुपये की लागत से बने आदर्श माध्यमिक विद्यालय के आधुनिक भवन का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने इसे प्रदेश के लिए आदर्श शिक्षा माडल बताते हुए बच्चों को सफलता का मंत्र दिया कि परिश्रम ही लक्ष्य तक पहुंचने का एकमात्र रास्ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल ने शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐसा माडल प्रस्तुत किया है, जिससे बेसिक और माध्यमिक शिक्षा परिषद को प्रेरणा लेनी चाहिए। संस्कृत श्लोक के माध्यम से समझाया कि कोई भी व्यक्ति

अयोग्य नहीं होता, बल्कि सही मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

वैद्य जीवक की कथा सुनाते हुए उन्होंने बताया कि जैसे हर वनस्पति में औषधीय गुण होते हैं, वैसे ही हर व्यक्ति में प्रतिभा होती है, जरूरत उसे पहचानने और निखारने की है। उन्होंने विद्यालय में उपलब्ध स्मार्ट क्लास, एआइ व रोबोटिक्स लैब, वाई-फाई युक्त कंप्यूटर लैब, स्पेस लैब, विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय और खेल सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि सरकारी स्कूल भी कान्वेंट व पब्लिक स्कूलों की तरह प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं।

विद्यालय भवन के निर्माण में 4.70 करोड़ रुपये राज्य सरकार ने दिए, जबकि शेष धनराशि राज्यपाल के प्रयासों से सीएसआर फंड से जुटाई गई। कार्यक्रम में 'हमारा जनभवन' पुस्तक का विमोचन किया गया और नई स्कूल बस की चाबी प्रधानाचार्य व चालक को सौंपी गई।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बताया कि पहले प्राथमिक विद्यालय में बच्चों की संख्या बहुत कम थी, लेकिन अब आधुनिक सुविधाओं के साथ यह संख्या बढ़कर 450 हो गई है। भविष्य में यहां 1000 बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और निश्शुल्क शिक्षा दी जाएगी।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी और बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। भवन के उद्घाटन से पहले मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के साथ विद्यालय का निरीक्षण कर कंप्यूटर लैब, अटल बिहारी वाजपेयी पुस्तकालय और सुनीता विलियम्स स्पेस लैब को देखा। बच्चों द्वारा प्रस्तुत माडलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी को प्रभावित किया।

तमिलनाडु के लिए बीजेपी का घोषणापत्र जारी, महिलाओं को हर महीने ₹2000, तीन फ्री गैस सिलेंडर और ब्याज-मुक्त लोन

(जीएनएस)।

भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र (संकल्प पत्र) जारी कर दिया है। मंगलवार को आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई की उपस्थिति में इसे लॉन्च किया गया। इस घोषणापत्र में राज्य के विकास के लिए '3C' (करप्शन, कलेक्शन और कमीशन) को खत्म करने का वादा किया गया है।

पार्टी ने मुख्य रूप से महिलाओं, किसानों, युवाओं और मछुआरों को ध्यान में रखते हुए कई लोक-लुभावन और बुनियादी सुधारों के वादे किए हैं। आइए जानतें हैं घोषणापत्र की मुख्य बातें क्या हैं:

DMK सरकार पर तीखा हमला और सुशासन का वादा

घोषणापत्र जारी करते हुए जेपी नड्डा ने सत्तारूढ़ DMK पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु, जो कभी दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं का पालना और देश की सांस्कृतिक राजधानी हुआ करता था, उसे DMK ने 'क्राइम कैपिटल' में बदल दिया है। नड्डा ने स्टालिन सरकार को परिवारवाद की सरकार बताते हुए कहा कि यह पार्टी भ्रष्टाचार के संरक्षकों की टोली बन गई है। उन्होंने जोर दिया कि BJP का उद्देश्य राज्य को विकास की मुख्यधारा में वापस लाना और कानून व्यवस्था को दुरुस्त करना है।

इखढ घोषणापत्र की प्रमुख घोषणाएं

महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा:

परिवार की महिला मुखियाओं के लिए 2,000 रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता।

प्रत्येक घर के लिए 10,000 रुपये की बिना शर्त आर्थिक मदद

प्रमुख त्योहारों के दौरान सालाना 3 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर।

'ईरान नहीं बनेगा न्यूक्लियर पावर' ट्रंप के बयान से बढ़ा तनाव, मिडिल ईस्ट जंग पर असर

दुनिया के सबसे अशांत क्षेत्र मिडिल ईस्ट में बारूद की गंध और तेज हो गई है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अब उस मुकाम पर पहुंच गया है जहां से वापसी का रास्ता नजर नहीं आ रहा।

व्हाइट हाउस ने आज एक बेहद सख्त और क्रुशियल संदेश जारी करते हुए दुनिया को स्पष्ट कर दिया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की निगरानी में ईरान कभी भी परमाणु शक्ति संपन्न देश नहीं बन पाएगा। व्हाइट हाउस के आधिकारिक बयान और राष्ट्रपति ट्रंप के ताजा तीखे हमलों ने यह साफ कर दिया है कि खाड़ी देशों में छिड़ी यह जंग थमने का नाम नहीं ले रही है।

शिवराज सिंह चौहान ने किया ऐलान, सम्राट चौधरी बने विधायक दल के नेता, 15 अप्रैल को लेंगे शपथ

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में आज एक ऐतिहासिक अध्याय की शुरूआत हुई है, जहां भारतीय जनता पार्टी ने राज्य की कमान अपने हाथों में लेने की दिशा में निर्णायक कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे और राज्यसभा जाने के फैसले के बाद, पटना में आयोजित भाजपा विधायक दल की बैठक में सम्राट चौधरी को सर्वसम्मति से भाजपा विधानमंडल दल का नया नेता चुन लिया गया है।

केंद्रीय पर्यवेक्षक और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस महत्वपूर्ण निर्णय की आधिकारिक घोषणा करते हुए स्पष्ट किया कि अब सम्राट चौधरी ही बिहार विधानमंडल में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। यह घटनाक्रम इसलिए भी खास है क्योंकि बिहार में पहली बार भाजपा अपने नेतृत्व में सरकार बनाने की ओर अग्रसर है, जिससे राज्य के राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं।

शिवराज सिंह चौहान ने दी आधिकारिक मंजूरी

भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को पटना पहुंचे। प्रदेश कार्यालय में आयोजित हाई-प्रोफाइल बैठक के बाद उन्होंने सम्राट चौधरी के नाम पर मुहर लगाई। शिवराज सिंह ने कहा, "भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखती है और विधायकों की राय के बाद सम्राट चौधरी को सर्वसम्मति से नेता चुना गया है। उनके नेतृत्व में बिहार विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।" सम्राट चौधरी 15 अप्रैल को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

विधायक दल का नेता बनने पर सम्राट चौधरी का पहला रिएक्शन

विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद सम्राट चौधरी का पहला रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, "भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा मुझ पर विश्वास जताते हुए भाजपा बिहार विधानमंडल दल के नेता का दायित्व सौंपने पर हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह मेरे लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि बिहार की जनता की सेवा, उनके विश्वास और सपनों को साकार करने का एक पवित्र अवसर है। मैं पूर्ण निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ जन-जन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का संकल्प लेता हूं।"

उन्होंने आगे लिखा, "देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व एवं माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन जी के मार्गदर्शन में बिहार को विकास, सुशासन और समृद्धि के नए आयामों तक ले जाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहूंगा।

एक अध्ययन के अनुसार वैश्विक स्तर पर लिवर की बीमारी से 1.3 अरब लोग प्रभावित

(जीएनएस)।

2023 में, द लैंसेट गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, विश्व स्तर पर अनुमानित 1.3 बिलियन लोग मेटाबॉलिक डिसफंक्शन-एसोसिएटेड स्टीटोटिक लिवर डिजीज (MASLD) से पीड़ित थे। यह आंकड़ा 1990 से 143 प्रतिशत की वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीजेज, इंजरीज, एंड रिस्क फैक्टर्स स्टडी (GBD) 2023 से पता चलता है कि 2050 तक MASLD के मामले लगभग 1.8 बिलियन तक बढ़ सकते हैं।

प्रक्षेपित वृद्धि का श्रेय जनसंख्या वृद्धि और जीवनशैली में बदलाव को दिया जाता है, जिसमें मोटापे की बढ़ती दर और उच्च रक्त शर्करा का स्तर शामिल है। GBD 2023 MASLD सहयोगियों ने पाया कि उत्तरी अफ्रीका और मध्य पूर्व जैसे क्षेत्रों में अन्य क्षेत्रों की तुलना में

MASLD की दर अधिक है। मामलों की बढ़ती संख्या के बावजूद, बीमारी या मृत्यु के कारण खोए वर्षों में मापे गए समग्र स्वास्थ्य प्रभाव स्थिर बना हुआ है।

इस स्थिरता को उपचार और देखभाल में हुई प्रगति का श्रेय दिया जाता है, जिससे व्यक्ति लंबे और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। हालांकि, मामलों की बढ़ती संख्या भविष्य में लिवर सिरोसिस या कैंसर जैसी गंभीर जटिलताओं के जोखिम का संकेत देती है। अध्ययन में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि शहरीकरण और जीवनशैली में बदलाव के कारण निम्न और मध्यम आय वाले देशों में MASLD तेजी से युवा वयस्कों को प्रभावित कर रहा है।

लखनऊ, कानपुर और अयोध्या को दहलाने की साजिश; अलकायदा से जुड़े 3 आतंकियों को उम्रकैद, एनआईए कोर्ट का फैसला

(जीएनएस)।

लखनऊ की एनआईए कोर्ट ने अलकायदा से जुड़े तीन आतंकियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इनके खिलाफ देश क खिलाफ युद्ध छेड़ने और प्रदेश में धमाका करने के आरोप हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश की एनआईए कोर्ट ने अलकायदा से जुड़े तीन आतंकियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने और यूपी में धमाके लिए हथियार-विस्फोटक जुटाने की साजिश रचने का आरोप अलकायदा के सहयोगी संगठन अंसार गजवातुल हिंद के इन आतंकियों पर लगा था। इन आतंकियों ने लखनऊ, कानपुर और अयोध्या को दहलाने की साजिश रची थी। इस मामले में आतंकी मुशीरुद्दीन, मिनहाज और तौहीद को एनआईए कोर्ट ने उम्रकैद की समा सुनाई। विशेष जज जैनेंद्र पांडेय की ओर से सजा का ऐलान किया गया। इसके साथ ही कोर्ट ने मिनहाज एवं मुशीरुद्दीन पर 1.42 लाख और तौहीद पर 85 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। आरोपियों के खिलाफ सभी सजा एक साथ चलेंगी।

लखनऊ एनआईए कोर्ट ने अपने आदेश में साफ किया है कि अलकायदा से जुड़े आंतकियों की जेल में बिताई सजा अवधि समायोजित की जाएगी। मामले में एनआईए की ओर से कोर्ट में 42 गवाहों, 149 दस्तावेज और 109 वस्तुएं कोर्ट पेश की गई। आरोपियों को कोर्ट में सजा सुनाए जाने के बाद पुलिस ने उन्हें जेल भेज दिया। मुसीरुद्दीन सीतापुर रोड स्थित फातिमा नगर मोहिबुल्लापुर, मिनहाज अदनानपल्ली रिंग रोड दुबग्गा और तौहीद अहमद उर्फ सोबू कश्मीर का है।

जुलाई 2021 में थी योजना

अलकायदा समर्थित अंसार गजवातुल हिंद संगठन की ओर से यूपी में बम धमाकों की योजना बनाई गई। जुलाई 2021 में लखनऊ, कानपुर और अयोध्या को बम धमाके की साजिश रची गई थी। आतंकी संगठन का कमांडर मिनहाज अहमद ने इसकी प्लानिंग की थी। विस्फोट कुकर और फ्रूट बम के जरिए किया जाना था। तीनों आतंकी पाकिस्तान में बैठे अपने आका के आदेश पर साजिश रच रहे थे। हालांकि, यूपी एटीएस ने उनके मंसूबे पूरे होने से पहले ही तीनों को धर दबोचा। यूपी एटीएस ने सबसे पहले 11 जुलाई 2021 को काकोरी में रिंग रोड अदनानपल्ली स्थित मकान से मिनहाज अहमद को दबोचा।

यूपी एटीएस ने इसके बाद मोहिबुल्लापुर में विस्फोटक बनाने के एक्सपर्ट मुसीरुद्दीन उर्फ मुसीर उर्फ राजू और बुद्धा पार्क के पास से शकील को धर दबोचा। तीनों के घरों से भारी मात्रा में बारूद, विस्फोटक बनाने के उपकरण, मोबाइल, तीनों शहरों की प्रमुख इमारतों के मैप और रूट प्लान आदि अन्य वस्तुएं बरामद हुए थे।

बड़ी साजिश का खुलासा

आतंकी मिनहाज एवं उसके साथियों से पूछताछ के क्रम में बड़ी साजिश का खुलासा हुआ। राजधानी लखनऊ के साथ-साथ कानपुर, अयोध्या और अन्य पड़ोसी जिलों को फ्रूट बम से दहलाने की योजना थी। खरबूजे के आकार के फल में विस्फोटक सामग्री भरकर विस्फोट की साजिश रची गई। एटीएस की पूछताछ में आतंकी मिनहाज उसके साथी सफीउद्दीन समेत अन्य से कई चौंकाने वाले राज सामने आए हैं। इसके बाद गिरोह के फरार माड्यूल की तलाश और तेज की गई। पुलिस की पूछताछ में काफी चौंकाने वाले मामले आए थे।

आतंकियों के पास से सात से आठ किलो बारूद बरामद किए गए। इसके बारे में गहन पड़ताल की गई है कि यह बारूद और कुकर बम बनाने के लिए प्रयोग में आने वाले केमिकल किसने सप्लाई की थी? आतंकी मिनहाज और उसके साथियों से पूछताछ में पता चला है कि वह एक गेंद में विस्फोटक सामग्री भरने की योजना बना रहे थे। खरबूजे के आकार के फल को काटकर उसमें उस गेंद को रखकर फ्रूट बम उन्हें बनाना था।

गरवी गुजरात
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2002

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
गरवी गुजरात हिंदी चेनल देखिये

सम्पादकीय

ईरान और अमेरिका के बीच पहले दो राउंड में चली बेनतीजा रही

जिसका डर था वही हुआ, अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता विफल हो गई है। वार्ता बेनतीजा ही खत्म हो गई है। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच पहले दो राउंड में 21 घंटे से ज्यादा शांति को लेकर बातचीत चली, लेकिन यह बेनतीजा रही। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपनी टीम के साथ अमेरिका के लिए रवाना भी हो गए। वेंस जाने से पहले बोले- समझौता न होने के लिए बुरी खबर : वेंस ने एक प्रोस कांप्रोंस में बताया कि समझौता न होना अमेरिका से ज्यादा ईरान के लिए बुरी खबर है। उन्होंने साफ कहा कि अमेरिका बिना किसी डील के ही लौट रहा है। किसी भी समझौते के लिए जरूरी है कि ईरान ये वादा करे कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। सीजफायर डील में अमेरिका की ओर से जेडी वेंस (उपराष्ट्रपति), स्टीव विटकॉफ (विशेष दूत), जेरेड वुशकर (सीनियर एडवाइजर और ट्रंप के दामाद) और ब्रैड वूपर (सैन्य अधिकारी शामिल हुए। ईरान की तरफ से मोहम्मद बागेर गालिबाफ (संसद अध्यक्ष), अब्बास अराघची (विदेश मंत्री) और मजीद तख्त खांची (उप-विदेश मंत्री) शामिल हुए। वार्ता में पाकिस्तान की ओर से प्राधानमंत्री शहबाज शरीफ, सेना प्रामुख आसिम मुनीर, विदेश मंत्री इशाक डार व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार आसिम मलिक शामिल हुए। ईरान से 71 सदस्यीय डेलिगेशन पाकिस्तान पहुंचा। इस टीम में सिर्प बातचीत करने वाले लोग ही नहीं थे बल्कि एक्सपर्ट सलाहकार, मीडिया प्रातिनिधि, डिप्लोमेट और सुरक्षा से जुड़े अधिकारी भी शामिल थे। ईरानी संसद के स्पीकर बागेर गलिबाफ जिस विमान से आए, वह बहुत खास था। वह पूरी दुनिया को अमेरिका का सितम दिखाने के लिए पाकिस्तान सुबूत लेकर आए थे। उनके साथ ऐसे यात्री भी आए जो इस दुनिया में अब नहीं हैं। दरअसल, इस विमान में बागेर गालिबाफ के साथ पाकिस्तान आने वाले दो बच्चे हैं। जो अमेरिकी-इजरायली हवाई हमले में अपनी जान गंवा चुके हैं। प्लेन की सीटों पर उन नन्हें बच्चों की तस्वीर रखी हुई थी। गालिबाफ ने वार्ता से पहले यह तस्वीर शेयर की जिसमें विमान की सीटों पर चार बच्चों की तस्वीरें रखी दिखाई देती थी, जिसके साथ एक-एक स्वूल बैग और पूल भी रखा गया था। ईरानी शहर मिनाब के स्वूल में 28 फरवरी को एक प्राइमरी स्वूल पर हमला हुआ था। इसमें 168 लोगों की मौत हो गई थी, जिसमें 160 स्वूली लड़कियां थीं। गालिबाफ ने वार्ता से पहले दिए बयान में कहा था कि उनका देश बातचीत और समझौते के लिए तैयार है। लेकिन इसके लिए अमेरिका को ईमानदारी से समझौते की पेशकश करनी होगी और ईरान के अधिकारों को स्वीकार करना होगा। उन्होंने साफ कहा कि ईरान के पास सद्भावना है, लेकिन अमेरिका पर भरोसा नहीं। उधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वार्ता शुरू होने से पहले ही कहा कि वाशिगटन ईरान को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर रोक लगाने की इजाजत नहीं देगा। ट्रंप ने आगे कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य जल्द ही फिर से खुल जाएगा, चाहे ईरान सहयोग करे या न करे। ट्रंप ने आगे कहा कि ईरान के साथ किसी भी समझौते में उनका मुख्य ध्यान तेहरान की परमाणु क्षमताओं को सीमित करने पर होगा। उन्होंने कहा, कोई परमाणु हथियार नहीं। यही 99 प्रातिशत बात है। वार्ता तो पेल होनी ही थी। दोनों पक्षों की मांगों में बहुत बड़ा फासला था जिसे पाटना मुश्किल ही नहीं असंभव था।

बिहार के सम्राट' बनने तक की इनसाइड स्टोरी, राजनीतिक सफर से फैमिली बैकग्राउंड तक

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में 14 अप्रैल 2026 सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि एक नए दौर की शुरूआत मानी जा रही है। करीब दो दशकों तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार के इस्तीफे के साथ सत्ता का समीकरण पूरी तरह बदलने की कगार पर है। इसी बदलाव के केंद्र में एक नाम सबसे तेजी से उभरकर सामने आया है सम्राट चौधरी। बिहार के नए सीएम सम्राट चौधरी होंगे। उन्हें भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है।

दिलचस्प बात यह है कि आज जिस नेता को बीजेपी का सबसे भरोसेमंद चेहरा माना जा रहा है, वही कभी लालू प्रसाद यादव की राजनीति का हिस्सा हुआ करता था। जिसे कल तक 'लालू का सिपाही' कहा जाता था। यही सफर इस कहानी को और भी खास बनाता है। सूत्रों की मानें तो वे अब बिहार के नए मुख्यमंत्री बनने की दहलीज पर खड़े हैं। ऐसे में आइए जानते हैं सम्राट चौधरी के राजनीतिक सफर से लेकर फैमिली बैकग्राउंड के बारे में हर एक डिटेल।

लालू की पाठशाला से भाजपा के शीर्ष तक का सफर

सम्राट चौधरी का राजनीतिक सफर किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर गांव में जन्मे सम्राट को राजनीति विरासत में मिली थी। उनके पिता शकुनी चौधरी बिहार की राजनीति के वो दिग्गज रहे हैं जिन्होंने समता पार्टी की नींव रखी, लेकिन वे कभी भाजपाई नहीं रहे। शकुनी चौधरी को लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार दोनों का बेहद करीबी माना जाता था। शकुनी चौधरी कई बार विधायक और सांसद रह चुके हैं। उनकी मां पार्वती देवी भी विधायक रही हैं।

सम्राट ने अपनी सक्रिय राजनीति की शुरूआत 1990 के दशक में लालू यादव की छत्रछाया में की थी। 1999 में वे राबड़ी देवी की सरकार में कृषि मंत्री बने। उस वक्त उनकी उम्र को लेकर काफी विवाद भी हुआ था। लेकिन सम्राट का असली राजनीतिक उत्कर्ष तब शुरू हुआ जब उन्होंने 'समाजवाद' की ढाल छोड़कर भाजपा का 'भगवा' थाम लिया। 2018 में भाजपा में शामिल होने के बाद, उन्होंने

महज 8 साल के भीतर वो मुकाम हासिल कर लिया जिसे पाने में दशकों लग जाते हैं।

कई दलों का सफर, लेकिन असली उछाल बीजेपी में

राजनीति में कई दलों का अनुभव लेने के बाद सम्राट चौधरी ने 2017-18 के आसपास बीजेपी का दामन थामा। यहीं से उनके करियर ने तेज रफ्तार पकड़ी। बीजेपी में शामिल होने के बाद उनका कद लगातार बढ़ता गया। 2019 में उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया, 2020 में एमएलसी बने और 2022 में विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी मिली।

2023 में उन्हें बिहार बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया, यह वह मोड़ था, जहां से वे सीधे सत्ता के केंद्र में आ गए। 2024 में वे डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री बने और बाद में गृह मंत्रालय जैसे अहम विभाग की जिम्मेदारी भी उनके पास आ गई।

मोदी-शाह के भरोसेमंद बनने का गुप्त फॉर्मूला

सवाल उठता है कि जो नेता संघ (फ्रर) की पृष्ठभूमि से नहीं आता, वो प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का इतना चहेता कैसे बन गया? इसका जवाब उनके काम करने के 'आक्रामक अंदाज' और 'जातीय समीकरण' में छिपा है।

जब अगस्त 2022 में नीतीश कुमार ने भाजपा को धोखा देकर महागठबंधन का हाथ थामा था, तब भाजपा को एक ऐसे नेता की तलाश थी जो नीतीश की आंखों में आंखें डालकर बात कर सके। अमित शाह ने सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर उन पर बड़ा दांव खेला। सम्राट ने भी हार नहीं मानी और संकल्प लिया कि जब तक नीतीश को कुर्सी से नहीं हटा देंगे, तब तक सिर पर 'मुरैठा' (पगड़ी) बांधे रखेंगे। उनकी यह जिद और फिर अयोध्या में राम मंदिर दर्शन के बाद उस संकल्प को पूरा करना, दिल्ली दरबार को भा गया। उन्होंने साबित कर दिया कि वे न केवल एक कुशल रणनीतक हैं, बल्कि जमीन पर कार्यकताओं को एकजुट करने का दम भी रखते हैं।

बिहार में सत्ता का रास्ता जातियों से होकर गुजरता है। सम्राट चौधरी 'कोइरी' (कुशवाहा) जाति से आते हैं। 2023 की जातीय गणना के मुताबिक बिहार में कुशवाहा समाज की आबादी लगभग 4.2 प्रतिशत है। नीतीश कुमार का सबसे बड़ा पावर हाउस 'लव-कुश' (कुर्मी-कोइरी) समीकरण रहा है। भाजपा ने सम्राट को आगे करके नीतीश के इसी अभेद्य किले में सेंध लगा दी।

सम्राट को आगे रखने के पीछे भाजपा की सोची-समझी रणनीति है कि यादवों के बाद सबसे बड़े ओबीसी समूह यानी कुशवाहा समाज को अपने पाले में लाया जाए। सम्राट की छवि एक कड़क ओबीसी नेता की है, जो न केवल अपने समाज की बात करता है, बल्कि पूरे ओबीसी वर्ग को भाजपा के पक्ष में लामबंद करने की क्षमता रखता है।

गृह मंत्री के रूप में 'योगी मॉडल' की झलक

नवंबर 2025 में जब सम्राट चौधरी दोबारा डिप्टी सीएम बने और उन्हें 'गृह विभाग' की जिम्मेदारी मिली (जो पिछले 20 साल से नीतीश कुमार अपने पास रखते थे), तो बिहार की पुलिसिंग में बड़ा बदलाव दिखा। उन्होंने पद संभालते ही अपराधियों को साफ चेतावनी दी'या तो अपराध छोड़ो या बिहार'।

बेगूसराय के गैंगस्टर शिवदत्त राय पर हुई त्वरित कार्रवाई को बिहार के लोगों ने 'यूपी वाले योगी मॉडल' की शुरूआत माना। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'अभय ब्रिगेड' और 'पिंक पोलिसिंग' की शुरूआत की। साथ ही डायल 112 के रिस्पॉन्स टाइम को 10 मिनट से कम करने का निर्देश दिया। अवैध खनन और भू-माफियाओं के खिलाफ उनके 'बुलडोजर' वाले तेवर ने उन्हें भाजपा आलाकमान की नजरों में और भी ऊंचा उठा दिया।

घर-परिवार और शिक्षाः विवादों से लेकर उपलब्धियों तक

सम्राट का परिवार बिहार के सबसे रसूखदार राजनीतिक परिवारों में से एक है। पिता शकुनी चौधरी 7 बार विधायक और सांसद रहे हैं, तो माता पार्वती देवी भी तारापुर से विधायक रह चुकी हैं। सम्राट ने अपनी उच्च शिक्षा मदुरै कामराज विश्वविद्यालय से प्राप्त की, हालांकि उनकी डिग्री को लेकर समय-समय पर विरोधियों ने सवाल भी उठाए।

उनका निजी जीवन अनुशासन और राजनीति के प्रति समर्पण से भरा है। 1995 में राजनीति के शुरूआती दौर में वे 89 दिनों के लिए जेल भी गए थे, जिसका जिक्र बिहार विधान परिषद की वेबसाइट पर भी है। यह उनके जुझारू व्यक्तित्व को दिखाता है कि वे जमीन से उठकर आज सत्ता के शीर्ष तक पहुंचे हैं।

(सम्राट चौधरी प्रोफाइल)

16 नवंबर 1968: मुंगेर के लखनपुर गांव में जन्म। पिता शकुनी चौधरी और माता पार्वती देवी।

पारिवारिक पृष्ठभूमिः पिता 7 बार विधायक/सांसद रहे और माता भी तारापुर से विधायक रहीं।

शिक्षाः मुंगेर से शुरूआती पढ़ाई के बाद मदुरै कामराज विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की।

राजनीतिक सफरः साल दर साल

1990: सक्रिय राजनीति में कदम रखा।

1995: राजनीतिक आंदोलन के दौरान 89 दिनों तक जेल में रहे।

19 मई 1999: राबड़ी देवी सरकार में कृषि मंत्री के रूप में शपथ ली।

2000: परबत्ता विधानसभा क्षेत्र से पहली बार विधायक चुने गए।

2010: दूसरी बार विधायक बने और विधानसभा में विपक्षी दल के मुख्य सचेतक नियुक्त हुए।

2014: राजद (RJD) में टूट का नेतृत्व किया और जीतन राम मांझी सरकार में नगर विकास एवं आवास मंत्री बने।

2017: औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी (BJP) में शामिल हुए।

2018: बिहार भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गए।

2020: भाजपा कोटे से विधान परिषद (MLC) के सदस्य निर्वाचित हुए।

2021: नीतीश कुमार की कैबिनेट में पंचायती राज मंत्री बनाए गए।

2022: बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष चुने गए।

मार्च 2023: बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष (रइंइ ढशीश्रील्लइ) नियुक्त हुए।

जनवरी 2024: भाजपा विधायक दल के नेता बने और पहली बार बिहार के उपमुख्यमंत्री (ऊीस्र४३८ उट) के रूप में शपथ ली।

फरवरी 2024: वित्त, स्वास्थ्य और नगर विकास जैसे महत्वपूर्ण विभागों का कार्यभार संभाला।

जुलाई 2024: अयोध्या में सरयू स्नान के बाद अपनी 'प्रतिज्ञा की पगड़ी' उतारी।

25 जुलाई 2024: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का कार्यकाल पूरा हुआ (दिलीप जायसवाल नए अध्यक्ष बने)।

नवंबर 2025: बिहार विधानसभा चुनाव में तारापुर सीट से जीत दर्ज की और दोबारा उपमुख्यमंत्री बने।

दिसंबर 2025: उपमुख्यमंत्री के साथ-साथ बिहार के गृह मंत्री का प्रभार संभाला।

बिहार में 'सम्राट' युग की आहट

सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना बिहार भाजपा के लिए एक नए अध्याय की शुरूआत है। यह इस बात का प्रतीक है कि भाजपा अब पिछलग्गू पार्टी बनकर नहीं रहना चाहती। सम्राट के पास प्रशासनिक अनुभव है, जातीय समर्थन है और सबसे बड़ी बात-उनके पास मोदी-शाह का भरोसा है। अब देखना यह होगा कि 'लालू के पूर्व सिपाही' और अब 'भाजपा के सेनापति' सम्राट चौधरी बिहार के विकास की गाड़ी को किस रफ्तार से आगे ले जाते हैं।

सम्राट चौधरी को लेकर अक्सर पूछे जाने वाले सवाल (FAQs)

1. सम्राट चौधरी की जाति क्या है?

सम्राट चौधरी कोइरी (कुशवाहा) जाति से संबंध रखते हैं, जो बिहार में एक प्रभावशाली ओबीसी वर्ग है।

2. सम्राट चौधरी के पिता कौन हैं?

उनके पिता शकुनी चौधरी हैं, जो बिहार के कद्दावर नेता, पूर्व सांसद और विधायक रह चुके हैं।

3. सम्राट चौधरी ने सिर पर पगड़ी क्यों बांधी थी?

उन्होंने संकल्प लिया था कि जब तक वे नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री की कुर्सी से नहीं हटा देंगे, तब तक पगड़ी नहीं उतारेंगे।

4. सम्राट चौधरी कब भाजपा में शामिल हुए?

वे साल 2018 में आधिकारिक तौर पर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए थे।

'है जवानी तो इश्क होना है' का धमाकेदार टीजर रिलीज, वरुण धवन की कॉमेडी का लगा दमदार तड़का

(जीएनएस)।

बॉलीवुड के एनर्जी से भरपूर स्टार वरुण धवन एक बार फिर अपने ट्रेडमार्क कॉमेडी-रोमांस अंदाज में दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। इस फिल्म का निर्देशन उनके पिता डेविड धवन ने किया है।

'है जवानी तो इश्क होना है' का टीजर रिलीज

करीब एक मिनट सात सेकंड के इस टीजर में मेकर्स ने अक तकनीक का दिलचस्प इस्तेमाल किया है, जिसने कहानी को लेकर दर्शकों की जिज्ञासा और बढ़ा दी है। फिल्म की पहली झलक से ही साफ है कि ये एक फुल एंटरटेनमेंट पैकेज होने वाली है।

लं खंदल्ल ळङ्ग कर॰ लङ्गल्लं लं

दो बच्चों से शुरू होती है कहानी का ट्विस्ट

-टीजर की शुरूआत दो मासूम बच्चों की बातचीत से होती है, जो

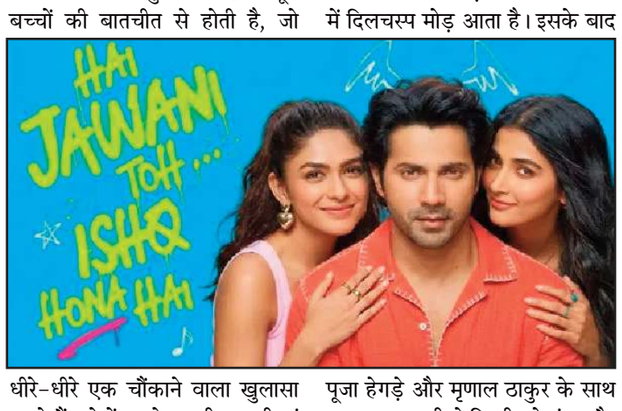

धीरे-धीरे एक चौंकाने वाला खुलासा करते हैं। दोनों पहले अपनी-अपनी मां का नाम बताते हैं लेकिन जैसे ही पिता की बात आती है, दोनों का जवाब एक जैसा होता है। इतना ही नहीं, उनका जन्मदिन भी एक ही दिन निकलता है।

-इस खुलासे के बाद दोनों बच्चों को शक होता है कि कहीं उनके पिता एक ही तो नहीं हैं। इसी ट्विस्ट के साथ टीजर आगे बढ़ता है और कहानी में दिलचस्प मोड़ आता है। इसके बाद पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर के साथ वरुण धवन की केमिस्ट्री, रोमांस और मस्ती भरे सीन देखने को मिलते हैं।

फिल्म में पुराने दौर की कॉमेडी का तड़का

टीजर को देखकर साफ झलकता है कि फिल्म में वही पुराना बॉलीवुड मसाला मौजूद है- शरारत, धोखा, रोमांस, म्यूजिक और जबरदस्त कॉमेडी। ये फिल्म उसी स्टाइल की लग रही है, जिसके लिए डेविड धवन जाने जाते हैं। दर्शकों ने भी इस टीजर को देखकर अपने-अपने अंदाज में फिल्म की कहानी के कयास लगाने शुरू कर दिए हैं। कई लोगों को इसमें 90 के दशक की फिल्मों की झलक नजर आ रही है।

सोशल मीडिया पर फैंस के मजेदार रिएक्शन

-फिल्म का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर फैंस के रिएक्शन की बाढ़ आ गई है। किसी ने इसे पूरी तरह एंटरटेनिंग बताया तो किसी ने कहा कि वरुण धवन के साथ मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े, दोनों की जोड़ी शानदार लग रही है।

-वहीं कुछ यूजर्स ने बच्चों के किरदार पर मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में इतना बड़ा राज पकड़ लिया, ये बच्चे तो कमाल के हैं।

'धुरंधर' के दोनों पाट्र्स ने मिलकर पार किया 3000 करोड़ रु. का आंकड़ा, तोड़ दिए कई रिकॉड्र्स, जानें कुल कमाई

(जीएनएस)।

बॉलीवुड के फेमस डायरेक्टर आदित्य धर की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर लगातार अपनी पकड़ बनाए हुए है। रिलीज के 26 दिन बाद भी फिल्म की कमाई थमने का नाम नहीं ले रही है। देशभक्ति और एक्शन से भरपूर इस कहानी ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली है और यही वजह है कि ये फिल्म भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर में शानदार प्रदर्शन कर रही है।

फिल्म 'धुरंधर 2' की कहानी उन घटनाओं से प्रेरित बताई जा रही है, जिनमें भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया था। यही दमदार प्लॉट और हाई-वोल्टेज एक्शन दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच रहा है। हालांकि जहां एक तरफ फिल्म को भरपूर सराहना मिल रही है, वहीं कुछ लोग इसे प्रोपेगेंडा करार देकर आलोचना भी कर रहे हैं।

'धुरंधर 2' ने 26वें दिन की इतनी कमाई

-सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'धुरंधर 2' ने रिलीज के 26वें दिन भी शानदार प्रदर्शन करते हुए

करीब 5.20 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 1088.62 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है जबकि ग्रॉस कलेक्शन 1303.37 करोड़ रुपये दर्ज किया गया है।

-विदेशों में भी फिल्म का जलवा कायम है, जहां ये 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है। कुल मिलाकर फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1700 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है, जो इसे साल की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल करता है।

-'धुरंधर' के पहले और दूसरे पार्ट की कमाई ने एकसाथ मिलकर नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। रणवीर सिंह स्टारर इस फ्रेंचाइजी ने दुनियाभर में 3000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है।

-पहले पार्ट ने जहां करीब 1300 करोड़ रुपये की कमाई के साथ शानदार प्रदर्शन किया था, वहीं 'धुरंधर' ने उसे भी पीछे छोड़ते हुए 1700 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस कर लिया है। इस तरह ये फ्रेंचाइजी भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो गई है।

'डकैतः एक प्रेम कथा' ने भी की अच्छी शुरूआत

इसी बीच अदिवी शेष की फिल्म 'डकैतः एक प्रेम कथा' भी सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और 'धुरंधर 2' जैसी बड़ी फिल्म के सामने भी ठीक-ठाक प्रदर्शन कर रही है। निर्देशक शेनिल देव की इस फिल्म ने अपने पहले वीकेंड में ग्लोबल स्तर पर करीब 40 करोड़ रुपये की कमाई की है। गत 10 अप्रैल 2026 को रिलीज हुई इस फिल्म का बजट लगभग 70 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

-सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'डकैतः एक प्रेम कथा' ने रिलीज के चौथे दिन यानी 13 अप्रैल 2026 (सोमवार) को करीब 2.70 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। अब तक फिल्म ने भारत में लगभग 22.50 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है जबकि विदेशों में ये करीब 12.25 करोड़ रुपये कमा चुकी है।

मोसाद के नए चीफ जिनके नाम पर मच गया इजरायल में बवाल?

(जीएनएस)।

इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद को जल्द ही नया प्रमुख मिलने जा रहा है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मेजर जनरल रोमन गोफमैन को मोसाद का अगला चीफ नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। गोफमैन 2 जून से मौजूदा प्रमुख ऊ्रf इं१ल्लीं की जगह लेंगे, जिनका पांच साल का कार्यकाल पूरा हो रहा है।

हालांकि यह नियुक्ति जितनी अहम मानी जा रही है, उतनी ही विवादों में भी घिर गई है। एक ओर जहां सरकार और सेना के शीर्ष नेतृत्व ने गोफमैन की जमकर सराहना की है, वहीं दूसरी ओर कुछ वरिष्ठ अधिकारियों ने इस फैसले पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

नेतन्याहू ने बांधे तारीफों के पुल

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने गोफमैन की नियुक्ति की घोषणा करते हुए उन्हें 'साहसी, रचनात्मक और असाधारण अधिकारी' बताया। उन्होंने कहा कि गोफमैन ने युद्ध के दौरान लीक से हटकर सोचने और कठिन परिस्थितियों में प्रभावशाली नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। नेतन्याहू ने भरोसा जताया कि उनकी अगुवाई में मोसाद इजरायल की सुरक्षा को और मजबूत करेगा। हालांकि, इस नियुक्ति का विरोध इजरायल के अंदर ही बड़े पैमाने पर हो रहा है।

इजराइली सेना इजरायल डिफेंस फोर्स (IDF) के चीफ ऑफ स्टाफ इयाल जमीर ने भी इस फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि गोफमैन का सैन्य करियर बेहद शानदार रहा है और वह इस पद के लिए पूरी तरह योग्य हैं। जमीर ने यहां तक कहा कि यदि उन्हें यह जिम्मेदारी नहीं मिलती, तो वे कऊ्र के शीर्ष पद के भी मजबूत दावेदार हो सकते थे।

नियुक्ति का भारी विरोध

इस नियुक्ति को लेकर विरोध के स्वर भी तेज हो गए हैं। मौजूदा मोसाद चीफ डेविड बार्निया ने गोफमैन की नियुक्ति पर आपत्ति जताते हुए उन पर शक्ति के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। बार्निया का कहना है कि गोफमैन का व्यवहार इस महत्वपूर्ण पद के अनुरूप नहीं है। वरिष्ठ अधिकारी ओरी एलमाकायस ने भी इस फैसले की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इस नियुक्ति को "खतरनाक" बताते हुए

इसे रद्द कराने तक की बात कही है। एलमाकायस का मानना है कि गोफमैन की नियुक्ति इजराइल की सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकती है।

मोसाद के प्रमुख पदों की नियुक्ति पर रहती है दुनिया की नजर

मोसाद जैसे संवेदनशील और रणनीतिक संगठन के प्रमुख की नियुक्ति हमेशा बेहद अहम होती है, क्योंकि यह एजेंसी वैश्विक स्तर पर खुफिया ऑपरेशंस और राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे में इस पद पर किसी भी विवादास्पद नियुक्ति का असर देश की सुरक्षा नीतियों पर पड़ सकता है। अब सभी की निगाहें 2 जून पर टिकी हैं, जब रोमन गोफमैन आधिकारिक रूप से मोसाद की कमान संभालेंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि वह अपने विरोधियों की चिंताओं को कैसे संबोधित करते हैं और एजेंसी को किस दिशा में आगे ले जाते हैं।

कौन हैं बिजेंद्र प्रसाद यादव? जो बन सकते हैं बिहार के नए डिप्टी सीएम

(जीएनएस)।

: बिहार की राजनीति इस वक्त एक बड़े ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे और उनके राज्यसभा जाने के फैसले के बाद सूबे में नई सरकार के गठन की कवायद युद्ध स्तर पर शुरू हो गई है।

जहां मुख्यमंत्री की रेस में सम्राट चौधरी का नाम सबसे आगे चल रहा है, वहीं सत्ता के गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा सुपौल के कद्दावर नेता और 'कोसी के चाणक्य' कहे जाने वाले बिजेंद्र प्रसाद यादव की है।

चर्चा है कि नई सरकार में बिजेंद्र प्रसाद यादव को डिप्टी सीएम (उप-मुख्यमंत्री) की जिम्मेदारी दी जा सकती है। 79 वर्षीय यादव का नाम सामने आते ही कोसी और मिथिलांचल की राजनीति में उत्साह की लहर दौड़ गई है।

बिजेंद्र प्रसाद यादव बिहार की राजनीति के उन विरले चेहरों में से हैं,

जिनकी साख पक्ष और विपक्ष दोनों में समान रूप से मजबूत है। साल 1990 से लगातार चुनाव जीतते आ रहे बिजेंद्र यादव ने पिछले साढ़े तीन दशकों में खुद को एक विकासवादी और जनहितैषी नेता के रूप में स्थापित किया है। उनकी प्रशासनिक पकड़ और जटिल राजनीतिक स्थितियों को सुलझाने की क्षमता उन्हें इस पद का सबसे योग्य दावेदार बनाती है।

कोसी क्षेत्र के लोग उन्हें प्यार से 'कोसी के विश्वकर्मा' कहते हैं। इसके पीछे उनकी वो दूरदर्शिता है जिसने बाढ़ और पिछड़ेपन की मार झेलने वाले कोसी और मिथिलांचल की तस्वीर बदल दी। ऊर्जा मंत्री के रूप में बिजेंद्र यादव का कार्यकाल बिहार के इतिहास में 'स्वर्ण युग' माना जाता है। बिजली संकट से जूझते बिहार को 24 घंटे बिजली की दहलीज तक पहुंचाने का श्रेय उन्हीं को जाता है।

सुपौल, सहरसा और मधेपुरा जैसे जिलों में ग्रिड का जाल बिछाना और नए पावर सब-स्टेशनों की स्थापना उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में शुमार है। उन्होंने न केवल कोसी को अंधेरे से निकाला, बल्कि कोसी और मिथिलांचल को जोड़ने के लिए सड़कों और रेल मार्गों का कायाकल्प भी किया। सुपौल-मधेपुरा और सहरसा के बीच सड़कों का चौड़ीकरण और पुलों का निर्माण उनके कार्यकाल की पहचान बनी।

कोसी नदी पर बुने पुलों के जाल

कोसी नदी, जिसे कभी 'बिहार का शोक' कहा जाता था, उस पर पुलों और एप्रोच रोड का निर्माण करवाकर बिजेंद्र यादव ने दोनों किनारों के बीच की दूरी को कम किया। इन परियोजनाओं ने क्षेत्र के किसानों और व्यापारियों के लिए नए बाजार खोले और आर्थिक विकास को एक नई गति दी।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

लखनऊ में एलडीए की चार आवासीय योजनाओं का बदलेगा स्वरूप, जर्जर भवनों की जगह लेंगे हाईटेक अपार्टमेंट

लखनऊ में दशकों पुरानी आवासीय योजनाओं का स्वरूप बदलेगा।

एलडीए वजीर हसन रोड, पेपर मिल कॉलोनी और कानपुर रोड योजना के सेक्टर-जी में मल्टीस्टोरी भवनों की तैयारी

दशकों पुरानी आवासीय योजनाओं का लखनऊ में होगा पुनर्विकास।

वजीर हसन रोड, पेपर मिल कॉलोनी में बनेंगे मल्टीस्टोरी भवन।

पुराने आवंटियों को आधुनिक सुविधाओं वाले फ्लैट मिलेंगे।

लखनऊ। (जीएनएस)। राजधानी में दशकों पहले विकसित आवासीय योजनाओं का अब स्वरूप बदलने जा रहा है। प्रथम चरण में वजीर हसन रोड, पेपर मिल कॉलोनी व कानपुर रोड योजना, सेक्टर-जी में मल्टीस्टोरी भवनों को री-डेवलप करने का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा।

इन कॉलोनियों में अभी सीमित सुविधाओं के बीच जी प्लस थ्री स्ट्रक्चर के ही भवन हैं, वहां अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस गगनचुंबी इमारतें बनेंगी। एलडीए ने अपनी पुरानी आवासीय योजनाओं के पुनर्विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं।

शासन ने हाल में उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति-2026 लागू की है, जिसमें शहरी क्षेत्र में री-डेवलमेंट से विकास व सुविधाओं को उच्चीकृत करने पर जोर दिया गया है।

1988 में प्राधिकरण ने मल्टीस्टोरी भवनों का कराया था निर्माण

इस संबंध में एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने आदेश जारी करते हुए अधिकारियों को विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया, हजरतगंज में वजीर हसन रोड पर वर्ष 1988 में प्राधिकरण ने मल्टीस्टोरी भवनों का निर्माण कराया था।

योजना में जी प्लस थ्री स्ट्रक्चर के चार टावर हैं, जिनमें कुल 64 फ्लैट्स हैं। योजना का प्रारंभिक सर्वे कराया गया, जिसमें 60 फ्लैटों की रजिस्ट्री हो चुकी है। तीन फ्लैटों की रजिस्ट्री आवंटियों के स्तर से लंबित है, जबकि एक फ्लैट अभी आवंटित नहीं हुआ है।

वहीं, कानपुर रोड योजना के सेक्टर-जी में वर्ष 1990 में एक हजार डबल स्टोरी भवन निर्मित किए गए थे। इनमें से अधिकतर भवनों में अवैध ढंग से लोग रह रहे हैं।

उपाध्यक्ष ने बताया, इस योजना के पुनर्विकास का भी प्रस्ताव तैयार कराया जाएगा। वहीं, पेपर मिल कालोनी में स्थित पुराने भवनों का सर्वे व परीक्षण कराने के बाद प्रस्ताव तैयार कराएंगे।

यह भी पढ़ें- मुख्यमंत्री योगी ने किया पीएम मोदी का स्वागत, दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर राष्ट्र को समर्पित

मिलेंगी सुविधाएं, आवंटी भी होंगे समायोजित

चार दशक पहले बने इन भवनों की स्थिति जर्जर हो चुकी है। योजना में नियोजित पार्क व पार्किंग क्षेत्र में कब्जे हैं। कई फ्लैटों में मूल आवंटी के स्थान पर अनाधिकृत लोग काबिज हैं, जबकि यह योजना प्राइम लोकेशन पर है।

री-डेवलपमेंट नीति के तहत यहां बहुमंजिला अपार्टमेंट बनने से लोगों को बेहतर आवासीय सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही पुराने आवंटियों को पुनर्विकसित भवनों में समायोजित किया जाएगा।

दुल्हन कल्पना ने सुहागरात से पहले की ऐसी डिमांड, सन्न रह गया दूल्हा, इनकार पर जिंदा जलाने की कोशिश

आगरा, (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में एक नई-नवेली दुल्हन की मांग ने पूरे परिवार को स्तब्ध कर दिया। शादी की पहली रात सुहागरात से पहले दुल्हन कल्पना ने पति से 90 लाख रुपये की डिमांड कर दी। कहा कि पैसे मिल जाएंगे तो ही घूंघट उठाऊंगी। जब पति और परिवार ने मना कर दिया, तो कल्पना ने न सिर्फ ससुराल छोड़ दिया, बल्कि शादी के गहने और सास की ज्वेलरी भी साथ ले गई। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई।

दो महीने बाद कल्पना और उसके भाई-भतीजे 25 मार्च 2026 को ससुराल पहुंचे। मुख्य गेट पर ताला लगा दिया, परिवार को गालियां दीं और फिर ढठॠ गैस की पाइपलाइन में छेड़छाड़ कर जिंदा जलाने की कोशिश की। दूल्हे परिवार ने किसी तरह 112 डायल कर अपनी जान बचाई। आरोपी मौके से भाग निकले।

शादी कब और कैसे हुई?

29 अप्रैल 2025 को आगरा के सिकंदरा स्थित आवास विकास कॉलोनी (एचआईजी) में रहने वाले

गौरव की शादी सादाबाद की कल्पना से हुई थी। बिचौलिए के माध्यम से तय हुई शादी। गौरव की बहन मुस्कान सिंह के अनुसार, शादी एक साजिश के तौर पर कराई गई।

शादी वाली रात का हादसा

शादी की पहली रात कल्पना ने पति गौरव से साफ कहा कि 90 लाख दो, तभी शारीरिक संबंध बनाएंगे। जब गौरव ने पैसे देने से इनकार किया तो कल्पना ने अपने भाइयों को बुला लिया। उन्होंने गौरव को अपमानित किया। इसके बाद कल्पना ने ससुराल में दो महीने तक पति के साथ कोई शारीरिक संबंध नहीं बनाए। दो महीने बाद कल्पना मायके चली गई। जाते वक्त उसने शादी में मिले सारे गहने और सास की ज्वेलरी भी साथ ले ली।

लगातार धमकियां और वसूली

दूल्हे गौरव मुस्कान सिंह ने पुलिस को बताया कि शादी के बाद से ही कल्पना का परिवार व्हाट्सएप कॉल और मैसेज से धमकियां दे रहा था। 25 मार्च 2026 को कल्पना और उसके भाई घर पहुंचे। गेट पर ताला लगाया, गालियां दीं और गैस पाइपलाइन के साथ छेड़छानी की। मुस्कान ने कहा, 'वे हमें जिंदा जलाने वाले थे।'

90 लाख की डिमांड का सबूत

कल्पना के भाई ने मुस्कान सिंह के मोबाइल पर मैसेज भेजकर 90 लाख रुपये मांगे। साथ में अपना बैंक अकाउंट नंबर और क्क्ष्ठ कोड भी भेज दिया। मुस्कान सिंह ने थाना जगदीशपुरा में कल्पना समेत 5 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। इनमें कल्पना, उसके दो भाई और शादी कराने वाला बिचौलिया शामिल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। जल्द ही आरोपी गिरफ्तार किए जाने की उम्मीद है। पुलिस जांच जारी है। पूरा मामला अब कोर्ट में जाएगा।

लखनऊ में अस्पताल की चौथी मंजिल से गिरकर महिला की मौत, 7 घंटे हंगामा के बाद अस्पताल पर हत्या की एफआईआर

लखनऊ के प्रसाद अस्पताल में भर्ती एक विवाहिता की चौथी मंजिल से गिरकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

परिवारजनों ने अस्पताल प्रशासन पर हत्या का आरोप लगाया।

अस्पताल चेयरमैन सहित स्टाफ पर हत्या का मुकदमा दर्ज।

लखनऊ। (जीएनएस)। लखनऊ-कानपुर हाईवे स्थित जुनाबगंज के एक निजी अस्पताल में भर्ती विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में चौथी मंजिल से गिरकर मौत हो गई।

घटना के बाद परिवारजन ने अस्पताल प्रशासन पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सात घंटे के प्रदर्शन के बाद बंथरा पुलिस ने तहरीर के आधार पर अस्पताल के चेयरमैन समेत अन्य लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बंथरा के किशुनपुर कौड़िया निवासी अक्षत दीक्षित उर्फ सनी की पत्नी सीता का मानसिक संतुलन कुछ समय से ठीक नहीं था और उनका इलाज प्रसाद हास्पिटल में चल रहा था। रविवार को तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

परिवारजन के मुताबिक, रात में अक्षत भी अस्पताल में ही रुके थे,

लेकिन तड़के करीब चार बजे उन्हें नींद आ गई। इसी दौरान सीता वार्ड से निकल गईं। सुबह करीब छह बजे सीता अस्पताल की जनरल वार्ड के पास सीढ़ियों के निकट बेसुध हालत में पड़ी मिलीं।

उन्हें तत्काल भर्ती कर उपचार शुरू किया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने दावा किया कि सीता ने चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या की है, लेकिन परिवारजन इस पर सहमत नहीं हुए। पुलिस द्वारा खंगाले गए सीसी फुटेज में सीता सुबह चार बजे वार्ड से बाहर निकलती दिख रही हैं।

साथ ही, उनकी चप्पल नीचे गिरती नजर आ रही हैं, लेकिन उनके गिरने का दृश्य सामने नहीं आया। इसी आधार पर परिवारजन ने अस्पताल स्टाफ पर धक्का देकर हत्या करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि इतनी ऊंचाई से गिरने पर खून के निशान होने चाहिए थे, जबकि मौके पर ऐसा कुछ नहीं मिला।

यह भी पढ़ें- हरदोई में फरार गैंगस्टर एक्ट के आरोपी के 2.25 करोड़ के दो मंजिला मकान कुर्क, बिजली के तार चोरी की घटनाओं में है वांछित

परिजनों ने सात घंटे तक हंगामा किया

घटना के विरोध में परिवारजन ने अस्पताल परिसर में करीब सात घंटे तक हंगामा किया। बंथरा इंस्पेक्टर राणा राजेश सिंह ने मौके पर पहुंचकर समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिवारजन नहीं माने। बाद में एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा पहुंचे और कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

पुलिस ने मृतका के पति अक्षत की तहरीर पर अस्पताल के चेयरमैन भगवान प्रसाद यादव, प्रशासनिक स्टाफ, प्रधानाचार्य और रात्रि इंचार्ज के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। इसके बाद ही परिवारजन शांत हुए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा सका।

एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का राजफाश हो सकेगा। फिलहाल, पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

'जीवन लंबा नहीं महान होना चाहिए',बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर के 10 विचार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी श्रद्धांजलि

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने भारत के सामाजिक और संवैधानिक ढांचे में अंबेडकर के अतुलनीय योगदान को याद किया। सोशल मीडिया पर एक संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा, 'डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को उनकी जयंती पर शत-शत नमन।'

उन्होंने एक्स पर लिखा- डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर का व्यक्तित्व और कृतित्व राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणापुंज बना रहेगा।

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।

उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। राष्ट्र निर्माण की दिशा में उनके प्रयास अत्यंत प्रेरणादायी हैं। उनका जीवन और कार्य, एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा।

श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जाती है आंबेडकर जयंती

मालूम हो कि हर साल 14 अप्रैल को भारत के महान समाज सुधारक, संविधान निमार्ता और दलितों के मसीहा डॉ. भीमराव अंबेडकर की

जयंती के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जाता है। इस दिन को केवल एक जन्मदिन के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों की लड़ाई के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

भेदभाव और सामाजिक असमानता के खिलाफ उठाई आवाज

डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष और प्रेरणा का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने अपने जीवन में जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता को करीब से देखा और इसके खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार माना और समाज के कमजोर वर्गों को शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए। यही कारण है कि अंबेडकर जयंती पर उनके विचारों और आदर्शों को याद किया जाता है।

अंबेडकर भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार थे

इस दिन का सबसे बड़ा महत्व यह है कि यह हमें भारतीय संविधान के मूल सिद्धांतों-समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व-की याद दिलाता है। डॉ. अंबेडकर भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार थे और उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि देश का हर नागरिक, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या वर्ग से हो, उसे समान अधिकार मिले। इस दिन लोग संविधान के महत्व को समझते हैं और उसके पालन का संकल्प लेते हैं। उनके निम्नलिखित विचार आज भी प्रासंगिक हैं।

प्रमुख विचार

शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो।

मनुष्य महान अपने कर्मों से बनता है, न कि अपने जन्म से।

स्वतंत्रता का मतलब सिर्फ राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक स्वतंत्रता भी है।

मैं किसी समाज की प्रगति को महिलाओं की प्रगति से मापता हूं।

जीवन लंबा नहीं, महान होना चाहिए।

धर्म वह होना चाहिए जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे की शिक्षा दे।

संविधान केवल वकीलों का दस्तावेज नहीं, यह जीवन का एक माध्यम है।

अगर मुझे लगे कि संविधान का दुरुपयोग हो रहा है, तो मैं सबसे पहले उसे जलाऊंगा।

ज्ञान ही मनुष्य के जीवन का आधार है।

समानता एक कल्पना हो सकती है, लेकिन इसे एक सिद्धांत के रूप में स्वीकार करना जरूरी है।

लखनऊ में महिला टप्पेबाजों का गैंग पकड़ा, बड़ी होशियारी से वारदात करती थीं; तरकीब जान पुलिस भी हैरान

लखनऊ , (जीएनएस)। लखनऊ में महिला टप्पेबाज गैंग का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन महिलाओं और एक पुरुष को गिरफ्तार किया। आरोपी ऑटो व ई-रिक्शा में यात्रियों को उलझाकर जेवर चोरी करते थे। सीसीटीवी जांच और पुलिस की रेकी से तीन घटनाओं का खुलासा हुआ और चोरी का सामान बरामद किया गया।

ऑटो, टेंपो और ई रिक्शा यात्रियों को उलझाकर जेवर चोरी व टप्पेबाजी करने वाले महिला गैंग का खुलासा करते हुए कृष्णानगर पुलिस ने तीन महिलाओं और एक पुरुष को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से चोरी की गई सोने की चेन, एक अंगूठी और पायल बरामद की गई है।

मेरठ

डीसीपी दक्षिणी अमित आनंद ने बताया कि कृष्णानगर इलाके में नवंबर 2025 से बीते मार्च माह के बीच टप्पेबाजी की तीन घटनाएं घटी थीं। इस मामले में कृष्णानगर पुलिस की एक टीम को आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगाया गया था।

पुलिस टीम ने घटनास्थल और उसके आसपास लगे 600 से 700 सीसीटीवी कैमरों को चेक किया और वारदात को अंजाम देने वाले गैंग का पता लगाते हुए मंगलवार को डूडा कॉलोनी आशाराम बापू मार्ग मानसनगर से दुबग्गा सीतापुर बाईपास झुग्गी झोपड़ी निवासी शेषकला, उसके पति दयालाल, पूजा और गौरी देवी को गिरफ्तार किया। शेषकला, दयालाल और पूजा मूल रूप से नागपुर के रहने वाले हैं, जबकि आरोपी गौरी देवी बिहार के आरा की निवासी है।

महिला दरोगा ने सादे कपड़े में एक हफ्ते तक रेकी की

एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने बताया कि इस गैंग का पकड़ने में कृष्णानगर थाने पर तैनात महिला दरोगा सिद्धि मिश्रा की सबसे अहम भूमिका रही। फुटेज मिलने के बाद उन्होंने सादे कपड़े में कई दिनों में घूम-घूम कर गैंग के बारे में पता किया।

इसके बाद उन्होंने गैंग के निवास स्थान की पूरी रेकी कर जानकारी जुटाई और फिर पुलिस ने इस गैंग पकड़ा। एसीपी ने बताया कि शेषकला इस गैंग की लीडर है और पहले से उनके खिलाफ बख्शी का ताला, मड़ियांव, हरदोई, नाका में चोरी के कई मामले दर्ज हैं।

उल्टी करने के बहाने या पिन चुभोकर वारदात को देते थे अंजाम

एसीपी ने बताया कि पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि वह लोग ऑटो, टेंपो और ई रिक्शा में सफर करने वाले ऐसे वृद्धों को शिकार बनाते थे जो जेवर पहने होते थे। आरोपी महिलाएं उसी वाहन में सवार तो जाते थे, जिसमें पीड़ित बैठते थे।

सफर के दौरान आरोपी महिलाएं उल्टी करने या पीड़ित को सेफ्टी पिन चुभोकर उनको उलझा कर जेवर चोरी कर लेते थे। आरोपी नागपुर से ट्रेन से लखनऊ व अन्य शहरों में जाकर इलाज के नाम पर या फेरी लगाने के बहाने से भीड़भाड़ वाले इलाके में वारदात को अंजाम देते थे।

बार-बार पता बदले देते थे

आरोपी पूछताछ में पुलिस को इस बात का पता चला है कि पुलिस से बचने के लिए आरोपी न सिर्फ अपना ठिकाना बदलते थे, बल्कि आधार कार्ड पर भी पता बदलवा लेते थे। ऐसे में इनको ट्रेस करना पुलिस के लिए मुश्किल होता था।

नीतीश कुमार को इन 5 योजनाओं ने बनाया देश का 'सुशासन बाबू', महत्वपूर्ण नीतिगत सुधारों को केंद्र ने भी किया लागू

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में 14 अप्रैल का दिन महत्वपूर्ण है। लगभग दो दशक तक प्रदेश की राजनीति के धुरी रहे नीतीश कुमार ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया। उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल को केवल राजनीतिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नीतिगत सुधारों के लिए भी याद किया जाता है। खास बात यह रही कि उन्होंने जो कई योजनाएं बिहार में शुरू कीं, वही बाद में पूरे देश के लिए मॉडल बन गईं।

सामाजिक कल्याण और महिला विकास से जुड़ी योजनाओं ने नीतीश की छवि 'सुशासन बाबू' के तौर पर बनाई। 2013 के बाद से कई बार

पाला बदलने के बावजूद नीतीश बिहार के एक बड़े वर्ग और खास तौर पर महिलाओं के लिए सबसे भरोसेमंद विकल्प रहे थे।

लोक कल्याण की योजनाओं से बनी पहचान, बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार का जिक्र हमेशा ही उनकी लोक कल्याणकारी योजनाओं के लिए किया जाएगा। महिलाओं के लिए खाते में सीधे रकम ट्रांसफर करने से लेकर लड़कियों को 12वीं पास करने और ग्रेजुएशन पर मिलने वाली सहायता राशि जैसी योजनाओं ने जनता के बीच लोकप्रिय बनाया। खास तौर पर महिलाओं के लिए नीतीश एक विकल्प नहीं, बल्कि भरोसे का प्रतीक बन गए।

फ्री साइकल योजना, सबसे पहले बात करते हैं छात्राओं के लिए शुरू की गई साइकिल योजना की। इस योजना के तहत लड़कियों को स्कूल जाने के लिए साइकिल दी गई, जिससे उनकी शिक्षा में बड़ी बढ़ोतरी हुई। बाद में कई अन्य राज्यों और केंद्र सरकार ने भी इस तरह की योजनाओं को अपनाया, जिससे बालिका शिक्षा को मजबूती मिली।

मिड-डे मील योजना देश भर में लागू

इसी तरह मिड-डे मील योजना को बिहार में प्रभावी ढंग से लागू किया गया। हालांकि इसकी शुरूआत पहले हो चुकी थी, लेकिन नीतीश कुमार ने इसे जमीन पर मजबूत किया। बाद में यह योजना पूरे देश में स्कूली बच्चों के पोषण सुधार का बड़ा माध्यम बनी।

जीविका मॉडल अपनाया कई और राज्यों ने, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए शुरू की गई जीविका (स्वयं सहायता समूह) पहल भी एक बड़ा कदम था। इस योजना ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया। बाद में केंद्र सरकार ने भी स्वयं सहायता समूहों के मॉडल को बड़े स्तर पर अपनाया।

हर घर नल योजना, हर घर नल-जल योजना के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर पानी पहुंचाने की पहल की गई। यह योजना बाद में केंद्र सरकार की 'जल जीवन मिशन' जैसी योजनाओं का आधार बनी, जिससे पूरे देश में पेयजल की पहुंच बढ़ी।

सामाजिक न्याय की दिशा में Nitish Kumar ने महादलित वर्ग की पहचान कर उनके उत्थान के लिए विशेष योजनाएं शुरू कीं। यह कदम समाज के सबसे पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा में लाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हुआ।

पंचायती चुनाव में महिलाओं को आरक्षण

इसके अलावा, पंचायती राज में महिलाओं को 50% आरक्षण देने का फैसला भी ऐतिहासिक रहा। बाद में कई राज्यों ने इसे अपनाया और महिला नेतृत्व को मजबूत किया। नीतीश कुमार का कार्यकाल केवल बिहार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उनकी नीतियों ने राष्ट्रीय स्तर पर असर डाला। यही वजह है कि उनके इस्तीफे के बाद भी उनकी नीतिगत विरासत चर्चा में बनी हुई है।

अदाणी ग्रीन ने ईएसजी रेटिंग में मारी बाजी, 87.3 स्कोर के साथ भारतीय कंपनियों में नंबर-1

(जीएनएस)।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड को केयरएज-ईएसजी 1+ रेटिंग मिली है। 87.3 के कुल स्कोर के साथ यह स्कोर भारत की कंपनियों में सबसे ज्यादा बताया जा रहा है। यह रेटिंग सेबी में पंजीकृत ईएसजी रेटिंग एजेंसी केयर ईएसजी रेटिंग्स लिमिटेड ने दी है।

इस स्कोर के साथ एजीईएल को पर्यावरण और जिम्मेदार कारोबार के मामले में अपनी इंडस्ट्री की प्रमुख कंपनियों में गिना जा रहा है। मूल्यांकन में कंपनी की मजबूत गवर्नेंस, जलवायु से जुड़ी रणनीति, संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल, पारदर्शिता और बोर्ड स्तर की निगरानी को खास तौर पर अच्छा बताया गया है। कई पहलुओं की हुई जांच

केयरएज-ईएसजी की इस रेटिंग में पर्यावरण, सामाजिक जिम्मेदारी और गवर्नेंस (ESG) से जुड़े जोखिम और अवसरों का आकलन किया गया। इसमें जलवायु जोखिम प्रबंधन, जल प्रबंधन, कचरा प्रबंधन, जैव विविधता

की सुरक्षा और मजबूत गवर्नेंस सिस्टम में कंपनी के काम की सराहना की गई।

रिपोर्ट के अनुसार, एजीईएल पर्यावरण और सामाजिक जोखिमों को संभालने के लिए स्पष्ट नीतियों और प्रबंधन प्रणालियों के साथ काम कर रही है। कंपनी ने अपने पूरे संगठन में एरॠ सिद्धांतों को लागू किया है, जिससे इन मुद्दों को बेहतर तरीके से मैनेज किया जा रहा है।

अदाणी ग्रुप में भी बढ़ रहा एरॠ पर जोर

यह उपलब्धि अदाणी समूह में चल रहे बड़े बदलाव को भी दिखाती है। अब समूह के अलग-अलग कारोबार-जैसे नवीकरणीय ऊर्जा, बंदरगाह, लॉजिस्टिक्स और यूटिलिटी सेवाओं-में एरॠ सिद्धांतों को तेजी से अपनाया जा रहा है। इससे गवर्नेंस ढांचा, जोखिम प्रबंधन और लंबे समय के निवेश फैसलों पर सकारात्मक असर पड़ रहा है।

निवेशकों का भरोसा बढ़ने की उम्मीद

इस नई टॉप-लेवल रेटिंग से एजीईएल की छवि निवेशकों और कर्ज देने वाले संस्थानों के बीच और मजबूत हो सकती है। आज के समय में स्थिरता प्रदर्शन फंडिंग पाने में अहम भूमिका निभाता है।

संजय सेतु पर आवागमन बंद होने से लखनऊ का सफर होगा महंगा, ट्रेनों पर बढ़ेगा दबाव

गोंडा। (जीएनएस)। लखनऊ हाईवे पर घाघरा नदी पर बने संजय सेतु की मरम्मत के चलते 16 अप्रैल से पुल को बंद किया जा रहा है। इस निर्णय का सीधा असर गोंडा, बलरामपुर समेत आसपास के जिलों के लाखों यात्रियों पर पड़ेगा। इसका असर लखनऊ आना-जाना अब पहले की तुलना में अधिक समय लेने वाला और महंगा हो जाएगा।

प्रशासन ने बड़े वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित कर दिया है, जबकि कार व छोटे वाहनों के लिए अस्थायी पैंटून पुल की व्यवस्था की गई है। हालांकि, यह राहत सीमित है।

बसों के डायवर्जन से दूरी कई किलोमीटर तक बढ़ जाएगी, जिससे परिवहन निगम को किराया बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ेगा। इसका सीधा असर आम यात्रियों की जेब पर पड़ेगा।

जब सड़क मार्ग महंगा और लंबा होगा तो बड़ी संख्या में लोग रेलवे की ओर रुख करेंगे। ऐसे में गोरखपुर-लखनऊ इंटरसिटी एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनों पर यात्रियों का दबाव अचानक बढ़ सकता है। रेलवे प्रशासन ने अभी तक अतिरिक्त कोच या विशेष ट्रेन चलाने को लेकर कोई ठोस योजना नहीं बनाई है।

पूर्वोत्तर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्त के अनुसार, फिलहाल अतिरिक्त बोगी बढ़ाने या नई

ट्रेन चलाने की कोई योजना नहीं है। यह स्थिति आने वाले दिनों में यात्रियों की परेशानी और बढ़ा सकती है।

उधर परिवहन निगम की आय पर भी इसका असर पड़ने की आशंका है। लंबी दूरी और बढ़े किराए के कारण कई यात्री बसों के बजाय ट्रेनों को प्राथमिकता देंगे, जिससे बसों में यात्री संख्या घट सकती है।

कुल मिलाकर संजय सेतु की मरम्मत भले ही जरूरी हो, लेकिन इसके चलते अगले दो महीनों तक जिले के लोगों का लखनऊ सफर कठिन और चुनौतीपूर्ण रहने वाला है।

लखनऊ के संजय सेतु की मरम्मत दो माह में होगी पूरी, सरकार ने हाई कोर्ट को दी जानकारी

संजय सेतु की मरम्मत दो माह में होगी पूरी।

हाई कोर्ट में राज्य सरकार ने दी यह जानकारी।

यातायात के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई।

राजधानी को गोंडा, बहराइच और नेपाल से जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग पर स्थित संजय सेतु के मरम्मत कार्य को दो माह में पूरा कर लिया जाएगा।

यह जानकारी राज्य सरकार की ओर से हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के समक्ष दी गई। न्यायमूर्ति राजन राय व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए गोंडा, बाराबंकी और बहराइच के जिलाधिकारियों व एनएचएआइ को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 25 मई को होगी।

सेतु की मरम्मत को लेकर दाखिल जनहित याचिका में इसकी खराब स्थिति को देखते हुए शीघ्र सुधार की मांग की गई थी, जिस पर न्यायालय ने सरकार से विस्तृत जानकारी मांगी थी।

सरकार की ओर से बताया गया कि घाघरा नदी पर बने इस महत्वपूर्ण सेतु के मरम्मत कार्य के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए जा रहे हैं।

15 अप्रैल तक तैयार हो जाएगा पीपे का पुल

15 अप्रैल तक पीपे का पुल तैयार कर लिया जाएगा, जिससे छोटे वाहन आवागमन कर सकेंगे। वहीं, भारी वाहनों को अयोध्या मार्ग से होकर गोंडा और आगे के जिलों की ओर भेजा जाएगा। इस व्यवस्था से मरम्मत कार्य के दौरान यातायात पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने का प्रयास किया जा रहा है।

योगी सरकार के इस फैसले से बढ़ जाएगी सैलरी, जानिए नोएडा, लखनऊ और वाराणसी वालों का कितना बढ़ेगा न्यूनतम वेतन

(जीएनएस)।

नोएडा में मजदूरों के आंदोलन में बवाल की नोएडा के हालात पर लखनऊ से पल-पल नजर रखी जा रही है. लखनऊ के डीजीपी हेडक्वार्टर से यूपी के डीजीपी के साथ रळक्ष चीफ सहित पुलिस के आला अधिकारी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं.

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में प्राइवेट कर्मचारियों के प्रदर्शन के बाद यूपी सरकार ने न्यूनतम मजदूरी में अंतरिम बढ़ोतरी की है, जो 1 अप्रैल 2026 से लागू होगी. जिसके तहत अलग-अलग श्रेणियों में करीब ₹2000 से ₹3000 तक बढ़ोतरी होगी. हालांकि इस फैसले से प्राइवेट कर्मचारी खुश नहीं हैं और उनका विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है.

नोएडा में प्राइवेट कर्मचारियों का सैलरी में बढ़ोतरी को लेकर प्रदर्शन जारी है. जिसे देखते हुए योगी सरकार ने सोमवार को देर रात एक आदेश जारी किया है. जिसके अनुसार न्यूनतम मजदूरी दरों में बढ़ोतरी कर दी गई है. नए आदेश 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे. अलग-अलग श्रेणियां में अधिकतम करीब 3000 तक इजाफा हुआ है.

सरकार की तरफ से कहा गया है कि यह तात्कालिक फैसला है, आगे व्यापक समीक्षा के बाद वेज बोर्ड के माध्यम से स्थाई समाधान की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. आदेश में कहा गया है कि गौतमबुद्ध नगर एवं गाजियाबाद जनपदों में अकुशल कर्मचारियों सैलरी में करीब 2000, कुशल कर्मचारियों की सैलरी में करीब 3000 और अर्धकुशल कर्मियों की सैलरी में

2600 रुपये बढ़ोतरी होगी.

इस प्रस्ताव के हिसाब से बढ़ेगी यूपी में प्राइवेट कर्मचारियों की सैलरी.

अन्य नगर निगम वाले जनपदों में भी होगी बढ़ोतरी

अकुशल कर्मचारी- पहले 11313, अब 13006

अर्धकुशल कर्मचारी- पहले 12445, अब 14306

कुशल कर्मचारी- पहले 13990-अब 16025

मंगलवार को भी उग्र प्रदर्शन जारी, अलर्ट पर पुलिस

ग्रेटर नोएडा में प्राइवेट कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन मंगलवार को भी जारी है. जिसको लेकर कासना थाना क्षेत्र में मंगलवार को पुलिस प्रशासन पूरी तरह हाई अलर्ट मोड पर नजर आया. डीसीपी ग्रेटर नोएडा प्रवीण रंजन सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल ने औद्योगिक क्षेत्र में पैदल मार्च किया. इस दौरान कई थानों के थाना प्रभारी भी मौके पर मौजूद रहे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया.

पुलिस द्वारा माइक के माध्यम से क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई. अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अफवाह या अव्यवस्था को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है.

औद्योगिक क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है, जिससे किसी भी संभावित स्थिति से निपटा जा सके. पुलिस की इस सक्रियता से क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल बना हुआ है. प्रशासन ने लोगों से सहयोग करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है.

सोसाइटी में काम करने वाली महिलाएं भी विरोध प्रदर्शन में उतरीं

प्राइवेट कर्मचारियों के अलावा अब सोसाइटी में घरेलू वर्कर के रूप में काम करने वाली महिलाएं भी विरोध प्रदर्शन में उतर आई हैं. नोएडा के सेक्टर 121 स्थित एक सोसाइटी के बाहर घरेलू कामगार महिलाओं और मजदूरों ने वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर मंगलवार को विरोध प्रदर्शन किया. प्रदर्शन में शामिल महिलाओं में मेड और सफाई कर्मी बड़ी संख्या में मौजूद थीं. उनका कहना था कि बढ़ती महंगाई के बीच मौजूदा वेतन में गुजारा करना मुश्किल हो रहा है, इसलिए उन्हें उचित वेतन दिया जाए.

पत्थरबाजी के बाद मची अफरा-तफरी

प्रदर्शन के दौरान स्थिति उस समय बिगड़ गई जब कुछ प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और पथराव करने लगे. इस दौरान सड़क पर खड़ी कुछ संपत्तियों को नुकसान पहुंचा और तोड़फोड़ की घटनाएं भी सामने आईं. हंगामे के कारण इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया.

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में करने का प्रयास किया. पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराने की कोशिश की और स्थिति को नियंत्रण में लिया. फिलहाल मामले में सोसाइटी प्रबंधन और कामगारों के बीच बातचीत की संभावना जताई जा रही है, ताकि विवाद का शांतिपूर्ण समाधान निकाला जा सके.

लखनऊ की प्राइम लोकेशन पर बनाना है घर? एलडीए ला रहा है 2100 नए प्लॉट्स की स्कीम

लखनऊ, (जीएनएस)।

वरूण विहार के 2100 प्लॉट हों या ऐशबाग स्क्वायर के 384 लग्जरी फ्लैट्स, लखनऊ में रियल एस्टेट में निवेश करने का यह सबसे सही समय है। जानकारी और पंजीकरण के लिए एलडीए की आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अपना आशियाना बनाने का सपना देख रहे लोगों के लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) बड़ी खुशखबरी लेकर आया है। शहर के विस्तार और बढ़ती आबादी की जरूरतों को देखते हुए एलडीए कई नई आवासीय योजनाएं लॉन्च करने जा रहा है। मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में हुई हालिया समीक्षा बैठक में इन योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट पेश की गई, जिसमें निवेश और घर खरीदने के इच्छुक लोगों के लिए कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं।

जून में दस्तक देगी 'वरूण विहार' योजना

एलडीए की बहुप्रतीक्षित 'वरूण विहार' योजना जून 2026 में आधिकारिक रूप से लॉन्च होने जा रही है। इस योजना के पहले चरण में कैलाश खण्ड और काशी खण्ड के अंतर्गत लगभग 2100 भूखण्डों (ढ'ङ्क३२) के लिए ऑनलाइन पंजीकरण खोला जाएगा। इस विशाल प्रोजेक्ट के लिए एलडीए ने बेहद गंभीरता से काम किया है और अब तक लगभग 1300 किसानों से 330 हेक्टेयर से अधिक भूमि का अधिग्रहण

किया जा चुका है। यह योजना मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत स्वीकृत है, जिसका सीधा मतलब है कि यहाँ बुनियादी ढांचा और सुविधाएं वैश्विक स्तर की होंगी।

सितंबर में आएगी 'नैमिष नगर' योजना

वरूण विहार के तुरंत बाद एलडीए अपनी दूसरी बड़ी योजना 'नैमिष नगर' को सितंबर 2026 में लॉन्च करने की तैयारी में है। प्रशासन ने राजस्व अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि इन योजनाओं से जुड़ी जमीनों के दाखिल-खारिज और अन्य कानूनी कागजी कार्रवाई को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। मण्डलायुक्त ने यह भी स्पष्ट किया है कि आवंटियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विशेष कैंप लगाकर भूखंडों और फ्लैट्स की रजिस्ट्री का काम तेजी से निपटाया जाएगा।

ब्लड शुगर नियंत्रण के लिए दुनिया ने माना इस उपाय का लोहा

ऐशबाग में लग्जरी फ्लैट्स के लिए कल आखिरी मौका

अगर आप जमीन के बजाय एक बने-बनाए लग्जरी अपार्टमेंट की तलाश में हैं, तो एलडीए की 'ऐशबाग स्क्वायर' योजना आपके लिए बेहतरीन विकल्प है। लेकिन ध्यान रहे, इस योजना में पंजीकरण कराने की अंतिम तिथि 15 अप्रैल 2026 है। यानी आपके पास आवेदन के लिए अब बहुत ही कम समय बचा है। ऐशबाग जैसे प्राइम लोकेशन (मिल रोड) पर स्थित इन 3इलङ + सर्वेंट अपार्टमेंट्स की शुरूआती कीमत ₹1.1 करोड़ रखी गई है।

ये अपार्टमेंट्स उन लोगों के लिए डिजाइन किए गए हैं जो आधुनिक और आलीशान जीवन जीना चाहते हैं। करीब 1900 वर्ग फुट के इन फ्लैट्स में स्वीमिंग पूल, पार्क, क्लब हाउस, किड्स प्ले एरिया और पावर बैकअप जैसी सभी प्रीमियम सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही, परिसर के भीतर ही कमर्शियल दुकानें भी बनाई जा रही हैं, ताकि निवासियों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए कैंपस से बाहर न जाना पड़े। सुरक्षा और पार्किंग का भी खास ख्याल रखा गया है, जिसमें 600 से अधिक वाहनों के लिए जगह सुनिश्चित की गई है।

भुगतान में भारी छूट और आसान किश्तें

एलडीए ने खरीदारों की सुविधा के लिए भुगतान के नियमों को भी काफी लचीला बनाया है। आवंटन होने के बाद ग्राहकों को अगले 3 साल (36 महीने) की आसान किश्तों में भुगतान करने का विकल्प मिलेगा। इतना ही नहीं, जो लोग 45 से 90 दिनों के भीतर पूरा भुगतान कर देंगे, उन्हें कुल कीमत पर 4 से 6 फीसदी तक की बड़ी छूट भी दी जा रही है।

हाथरस से बसपा कार्यकर्ता लखनऊ रवाना:लखनऊ में अंबेडकर जयंती समारोह में शामिल होंगे

(जीएनएस)।

हाथरस से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के काफी कार्यकर्ता और पदाधिकारी देर रात लखनऊ के लिए रवाना हुए। वे पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमारी मायावती के आवाहन पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती समारोह में शामिल होने गए हैं।

जिलाध्यक्ष राज कपूर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में बसपाई कल देर रात लखनऊ के लिए प्रस्थान कर गए। कार्यकताओं ने अपने निजी वाहनों और बसों का उपयोग किया।

काफी उत्साहित दिखाई दिए बसपाई...

इस अवसर पर बसों को रवाना करते समय बसपा जिलाध्यक्ष राज कपूर, वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार देशमुख एडवोकेट, डॉ. अविन शर्मा, भगवान सिंह कुशवाहा, हेम बाबू धनगर, उमेश चौधरी, आशीष प्रधान, महिपाल सिंह, राकेश काका, देवेश चौधरी, अखिलेश कुमार और संजय बघेल सहित कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर बसपाइयों ने जमकर नारेबाजी भी की। बसपाइयों में काफी उत्साह देखने को मिला।

लखनऊ में स्कूल वाहनों के खिलाफ जल्द चलेगा अभियान:अनफिट मिले तो सीधे सीज किए जाएंगे, परिवहन विभाग की तैयारी

(जीएनएस)।

लखनऊ की सड़कों पर स्कूली बच्चों की सुरक्षा से समझौता करने वाले अनफिट वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग अब बड़े स्तर पर अभियान चलाने जा रहा है। विभाग ने साफ कर दिया है कि मानकों के विपरीत चल रहे वाहनों को अब बख्शा नहीं जाएगा और मौके पर ही सीज करने की कार्रवाई की जाएगी।

डेटा अपडेट होते ही मैदान में उतरेंगी टीमें

परिवहन विभाग के अनुसार, उत्तर प्रदेश एकीकृत स्कूल वाहन प्रबंधन पोर्टल पर स्कूलों और वाहनों का डेटा तेजी से अपडेट किया जा रहा है। अगले एक सप्ताह में यह प्रक्रिया पूरी होते ही प्रवर्तन टीमें सक्रिय हो जाएंगी और स्कूलों के बाहर चेकिंग अभियान चलाया जाएगा।

530 अनफिट वाहन पहले से चिह्नित

आरटीओ कार्यालय के आंकड़ों के मुताबिक, लखनऊ में करीब 530 स्कूली वाहन ऐसे हैं जो अनफिट श्रेणी में आ चुके हैं। इससे पहले जनवरी में चले अभियान के दौरान 300 वाहनों की जांच हुई थी, लेकिन सिर्फ 31 पर ही चालान की कार्रवाई हुई थी। इस बार विभाग ज्यादा सख्त रुख अपनाने की तैयारी में है।

अब जुमार्ना नहीं, सीधे सीज होंगे वाहन

अब तक पार्किंग (होल्डिंग एरिया) की कमी के कारण अनफिट वाहनों को केवल जुमार्ना लगाकर छोड़ दिया जाता था, लेकिन अब यह स्थिति बदलने वाली है। परिवहन विभाग ने साफ किया है कि इस बार नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को सीधे सीज किया जाएगा।

शहर में बनाए जाएंगे 8 होल्डिंग एरिया

सीज किए गए वाहनों को खड़ा करने के लिए शहर में 8 स्थान चिह्नित किए गए हैं। इनमें उत्तरधौना, चैला, कल्ली पश्चिम, अलीनगर खुर्द, शहीद पथ तिराहे के पास कानपुर रोड, वृंदावन डिफेंस एक्सपो मैदान, राधा स्वामी सत्संग के सामने मैदान और एकेटीयू गेट नंबर दो के सामने के क्षेत्र शामिल हैं।

वाहन मालिकों को भेजे जा रहे नोटिस

प्रशासन ने अनफिट वाहनों के मालिकों को नोटिस भेजना शुरू कर दिया है। उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अभियान शुरू होने से पहले अपने वाहनों की फिटनेस ठीक करवा लें, अन्यथा सख्त वैधानिक कार्रवाई तय है।

अधिकारी बोले- इस बार होगी सख्ती

आरटीओ (प्रवर्तन) प्रभात पांडेय ने स्पष्ट कहा है कि अनफिट स्कूली वाहनों के खिलाफ वृहद स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। इसमें जुमार्ने के साथ-साथ वाहनों को सीज करने की कार्रवाई भी शामिल होगी। वाहन स्वामियों को पहले ही चेतावनी दी जा रही है, ताकि वे समय रहते नियमों का पालन कर लें।

लखनऊ में अंबेडकर जयंती पर समान अवसर का संदेश:कुलपति ने गिनाईं समावेशी शिक्षा की विशेषताएं

(जीएनएस)।

डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर समावेशी समाज की मजबूत तस्वीर सामने आई। स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति आचार्य संजय सिंह ने कहा कि समान अवसर और अवसर की समानता ही बाबा साहेब के विचारों का मूल है।

कुलपति आचार्य संजय सिंह ने बताया कि यदि किसी पिछड़े या कमजोर व्यक्ति को सही माहौल और शिक्षा प्रदान की जाए, तो वह बड़ी ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है। उन्होंने जोर दिया कि कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता, बल्कि शिक्षक की जिम्मेदारी होती है कि वह उसे सही दिशा प्रदान करे। उन्होंने बाबा साहेब के गुरु का उदाहरण दिया, जिन्होंने उन्हें आगे बढ़ने की राह दिखाई।

दिव्यांग विद्यार्थियों में अद्भुत प्रतिभा होती है

कुलपति ने विश्वविद्यालय के समावेशी मॉडल पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यहां दिव्यांग और सामान्य विद्यार्थी एक साथ शिक्षा ग्रहण करते हैं। सभी को समान अवसर प्रदान किए जाते हैं, जो वास्तविक समावेशी शिक्षा का उदाहरण है। उन्होंने बताया कि दिव्यांग विद्यार्थियों में अद्भुत प्रतिभा होती है, जिससे प्रभावित होकर देश-विदेश के लोग भी विश्वविद्यालय का भ्रमण करने की इच्छा व्यक्त करते हैं।

बाबा साहेब के बहुआयामी योगदान पर विस्तृत चर्चा हुई

विश्वविद्यालय अन्य संस्थानों को भी इस मॉडल से जोड़ने के लिए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के बहुआयामी योगदान पर भी विस्तृत चर्चा हुई। कुलपति ने रेखांकित किया कि उन्होंने न केवल भारत का संविधान तैयार किया, बल्कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए हिंदू कोड बिल भी प्रस्तुत किया।

इसके साथ ही, उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), दामोदर घाटी परियोजना, योजना आयोग, वित्त आयोग और चुनाव आयोग जैसी महत्वपूर्ण संस्थाओं के निर्माण में भी अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी और छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दिव्यांग विद्यार्थियों ने भी अपने विचार साझा किए और बाबा साहेब के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

लखनऊ में 13 करोड़ रुपए की ठगी का आरोप:पार्टनरशिप के नाम पर लिया पैसा, वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी

(जीएनएस)।

लखनऊ के गोमती नगर में दंपती सहित चार लोगों ने एक युवक कंपनी में पार्टनरशिप का झांसा देकर 13 करोड़ रुपए ठग लिए। पीड़ितने पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) से शिकायत कर पड़ोस में रहने वाले दंपती समेत चार लोगों पर धोखाधड़ी, जालसाजी और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। डीसीपी के निर्देश पर गोमती नगर थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है।

पीड़ित कृष्ण प्रताप सिंह ने बताया कि मारुत सुत तिवारी और उनकी पत्नी आनन्दिता तिवारी ने खुद को निजी कंपनी का डायरेक्टर बताते हुए उन्हें

बिजनेस में 50% पार्टनर बनाने का लालच दिया। लाइसेंस ट्रांसफर और डिस्ट्रीब्यूशनशिप दिलाने के नाम पर 2022 से 2024 के बीच उनसे और उनके परिजनों से 13 करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम ले ली गई।

फर्जी एग्रीमेंट और चेक देकर टालते रहे

आरोप है कि रकम के एवज में आरोपियों ने कई चेक दिए और एक एग्रीमेंट भी कराया, जिसमें फर्जी तरीके से 40 लाख रुपए आरटीजीएस से देने की बात दर्ज की गई, जबकि पीड़ित के खाते में कोई पैसा नहीं आया। बैंक स्टेटमेंट से इसकी पुष्टि होने का दावा किया गया है।

रिटायर्ड अधिकारी पिता को भी बनाया शिकार